2023

HINDI

(Honours Core)

Paper : HIN–HC–6016

(हिन्दी की साहित्यिक पत्रकारिता)

Full Marks : 80

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×10=10

(क) पत्रकारिता का आशय क्या है?

(ख) भारतीय पत्रकारिता का शुभारंभ कहाँ हुआ था?

(ग) कालखण्ड के आधार पर साहित्यिक पत्रकारिता को कितने भागों में बाँटा गया है?

(घ) 'उदंत मार्तंड' का प्रकाशन-वर्ष क्या है?

(ङ) 'आलोचना' पत्रिका के संस्थापक-संपादक कौन थे?

(च) द्विवेदीयुगीन किसी एक प्रमुख साहित्यिक पत्रिका का नाम लिखिए।

(छ) हिन्दी की पहली हास्य-व्यंग्यप्रधान साहित्यिक पत्रिका कौन-सी है?

(ज) 'चाँद' मासिक पत्रिका है या त्रैमासिक?

(झ) 'प्रतीक' साहित्यिक पत्रिका से किस साहित्यिक आंदोलन का सूत्रपात माना जाता है?

(ञ) माखनलाल चतुर्वेदी द्वारा सम्पादित साहित्यिक पत्रिका का नामोल्लेख कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×5=10

(क) हिन्दी साहित्यिक पत्रकारिता के कोई दो उद्देश्य बताइए।

(ख) 'सरस्वती' पत्रिका का प्रकाशन कब और कहाँ हुआ था?

(ग) 'विशाल भारत' पत्रिका की कोई दो विशेषताएँ लिखिए।

(घ) आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने हिन्दी का 'स्टील तथा एडीसन' किन्हें और क्यों कहा है?

(ङ) समकालीन किन्हीं दो साहित्यिक पत्रिकाओं का उल्लेख करते हुए उनके प्रकाशन-वर्ष लिखिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) ''साहित्य और पत्रकारिता परस्पर पूरक हैं।'' इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'मतवाला' पत्रिका के ऐतिहासिक महत्त्व का आकलन कीजिए।

(ग) भारत के स्वाधीनता आंदोलन में हिन्दी की साहित्यिक पत्रकारिता के योगदान पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए।

(घ) स्वातंत्र्योत्तर-कालीन हिन्दी पत्रकारिता की प्रमुख विशेषताओं को रेखांकित कीजिए।

(ङ) 'धर्मयुग' पत्रिका का सामान्य परिचय दीजिए।

(च) 'छायावादयुगीन' साहित्यिक पत्रकारिता के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के सम्यक् उत्तर दीजिए : 10×4=40

(क) साहित्यिक पत्रकारिता किसे कहते हैं? साहित्यिक पत्रकारिता की विशेषताओं को रेखांकित कीजिए।

अथवा

भारतेन्दुयुगीन हिन्दी साहित्य की विकास-यात्रा में साहित्यिक पत्रकारिता की भूमिका पर सम्यक् प्रकाश डालिए।

(ख) हिन्दी की साहित्यिक पत्रकारिता को आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी के योगदान का मूल्यांकन कीजिए।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(i) भारत मित्र

(ii) हिन्दी प्रदीप

(iii) जनसत्ता

(ग) प्रेमचंदयुगीन साहित्यिक पत्रकारिता की प्रमुख प्रवृत्तियों को रेखांकित कीजिए।

अथवा

'''हंस' ने हिन्दी की साहित्यिक पत्रकारिता को नई दिशा दी।'' प्रस्तुत उक्ति के पक्ष में अपने विचार व्यक्त कीजिए।

(घ) समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता की दिशा एवं दशा पर प्रकाश डालिए।

अथवा

समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता की प्रमुख प्रवृत्तियों को चिह्नित कीजिए।

★★★